उद्यमी मित्रों को मिलेगा विशेष कौशल प्रशिक्षण

निवेश जमीन पर उतारने के लिए इन्वेस्ट यूपी की पहल, संचार और समस्या-समाधान क्षमता होगी मजबूत

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। निवेश प्रोत्साहन और निवेशकों को आसान सुविधा उपलब्ध कराने के लिए इन्वेस्ट यूपी उद्यमी मित्रों के क्षमता निर्माण और कौशल उन्नयन के लिए विशेष प्रशिक्षण देगा। चुनी गई संस्था को उद्यमी मित्रों के लिए व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम की डिजाइनिंग, संचालन और मूल्यांकन की जिम्मेदारी दी जाएगी। इसके जरिये हैंडहोल्डिंग, ग्राहक सेवा, डिजिटल प्लेटफॉर्म उपयोग, शिकायत निवारण, संचार और समस्या-समाधान क्षमता को मजबूत किया जाएगा।

इन्वेस्ट यूपी ने उद्यमी मित्रों के क्षमता निर्माण और कौशल उन्नयन के लिए प्रशिक्षण एजेंसी के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए तकनीकी और वित्तीय प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं। उद्यमी मित्र राज्य में निवेशकों और उद्यमियों के लिए फील्ड स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

राज्य को प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से उनकी दक्षता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया गया है। इसका उद्देश्य उद्यमी मित्रों को निवेशकों के प्रभावी सहयोग के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करना। हैंडहोल्डिंग, ग्राहक सेवा, डिजिटल प्लेटफॉर्म उपयोग, शिकायत निवारण, संचार और समस्या-समाधान क्षमता को मजबूत करना और भविष्य में सतत क्षमता निर्माण के लिए प्रशिक्षण ढांचा विकसित करना है।

क्रियान्वयन और मूल्यांकन तक की जिम्मेदारी एजेंसी पर

चयनित एजेंसी को प्रशिक्षण की रूपरेखा तैयार करने से लेकर उसके क्रियान्वयन और मूल्यांकन तक की जिम्मेदारी निभानी होगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम दो चरणों में होगा। पहला चरण प्रत्यक्ष प्रशिक्षण और दूसरा चरण वर्चुअल प्रशिक्षण का होगा। प्रशिक्षण से पहले सभी प्रतिभागियों का प्री-असेसमेंट किया जाएगा जिसके आधार पर उनकी क्षमता का आकलन कर उन्हें अलग-अलग बैच में बांटा जाएगा। प्री-असेसमेंट रिपोर्ट प्रशिक्षण शुरू होने से पहले इन्वेस्ट यूपी को सौंपी जाएगी। पहले चरण के बाद पोस्ट-असेसमेंट रिपोर्ट तथा पूरे कार्यक्रम के अंत में अंतिम मूल्यांकन रिपोर्ट पेश करना अनिवार्य होगा। एजेंसी को प्रशिक्षण शुरू करने से पहले विस्तृत ट्रेनिंग नीड एनालिसिस (टीएनए) करना होगा। इसके तहत इन्वेस्ट यूपी अधिकारियों, विभागीय प्रतिनिधियों और वरिष्ठ मार्गदर्शकों से परामर्श, कौशल अंतर विश्लेषण और साइकोमेट्रिक शामिल होंगे। टीएनए रिपोर्ट में पहचानी गई प्रशिक्षण आवश्यकताएं, लक्षित दक्षताएं, सीखने के उद्देश्य और मॉड्यूल डिजाइन का सुझाव देना होगा।

मॉड्यूल आधारित प्रशिक्षण

प्रशिक्षण में साझा कोर मॉड्यूल और स्तर आधारित उन्नत मॉड्यूल शामिल होंगे। पहले चरण के प्रशिक्षण में अकाउंट लाइफ साइकिल ऑनरशिप, टीम इंटरफेस, व्यक्तिगत जवाबदेही, स्टेकहोल्डर मैपिंग जैसे विषय शामिल किए जाएंगे। प्रशिक्षण के दौरान रोल प्ले, सिमुलेशन, केस स्टडी और समूह चर्चा जैसी सहभागितापूर्ण तकनीकों का उपयोग किया जाएगा। सफल प्रतिभागियों को इन्वेस्ट यूपी प्रमाणपत्र भी जारी करेगा। इसमें प्रशिक्षण चरण, अवधि और प्रदर्शन स्तर का उल्लेख होगा।

उद्योगों की मांग के अनुरूप युवाओं का कौशल विकास

लखनऊ। उप्र कौशल विकास मिशन (यूपीएसडीएम) ने प्रशिक्षण देने वाली संस्थाओं को युवाओं को प्रशिक्षण देने के लिए सेक्टरवार लक्ष्य दिए हैं। यह शुरुआत नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एनएसडीसी) योजना के तहत हुई है। इसके तहत उद्योगों की मांग के हिसाब से युवाओं का कौशल निखारा जाएगा। उप्र कौशल विकास मिशन ने प्रशिक्षण संस्थानों को उनके पूर्व प्रदर्शन और आवेदन के क्रम में यह लक्ष्य दिया है। वेलस्पन लिविंग लिमिटेड बरेली को परिधान क्षेत्र में 200, इमार्टिकस लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड जालौन को हेल्थकेयर व परिधान सेक्टर में 100-100 तथा स्किल्ड टेलरिंग इंस्टीट्यूट बाय रेमंड लखनऊ को 50 का लक्ष्य दिया गया है। इन सेक्टर में प्रशिक्षण अवधि अधिकतम 600 घंटे की होगी। आवासीय प्रशिक्षण में न्यूनतम 8 घंटे प्रतिदिन प्रशिक्षण होगा। प्रशिक्षण से पहले पोर्टल पर सत्यापन अनिवार्य होगा। प्रशिक्षण देने वाली संस्था को सेक्टर स्किल काउंसिल से संबद्ध होकर मानक पाठ्यक्रम के आधार पर प्रशिक्षण देना होगा। मूल्यांकन भी संबंधित सेक्टर स्किल काउंसिल से ही कराया जाएगा। यह व्यवस्था प्रशिक्षण की गुणवत्ता बढ़ाने और परिणाम आधारित मॉनिटरिंग को मजबूत करने में महत्वपूर्ण होगी। प्रशिक्षणार्थियों का ब्योरा

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर पिंक रोजगार महाकुंभ, 50 से अधिक कंपनियां लेंगी हिस्सा

अमर उजाला ब्यूरो

उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन द्वारा इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजन

पांच हजार से अधिक महिलाओं को रोजगार देने का लक्ष्य

लखनऊ। महिलाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर 8 मार्च को लखनऊ में 'पिंक रोजगार महाकुंभ-2026' का आयोजन किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में होगा। इसके माध्यम से 5 हजार महिलाओं को रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है।

पिंक रोजगार महाकुंभ में केवल महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। इसमें 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग की महिलाएं भाग ले सकेंगी। योग्यता के रूप में 10वीं, 12वीं, स्नातक, परास्नातक, बी.टेक, बीबीए, एमबीए, फार्मेसी सहित अन्य तकनीकी और सामान्य डिग्रीधारी महिलाएं आवेदन कर सकती हैं। इस आयोजन का उद्देश्य विभिन्न शैक्षिक पृष्ठभूमि वाली महिलाओं को रोजगार के व्यापक विकल्प प्रदान करना है।

इसमें फ्लिपकार्ट, रिलायंस जियो, आईसीआईसीआई बैंक, एयरटेल, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा फाइनेंस, अमेजन और केएफसी जैसी कंपनियां विभिन्न पदों के लिए चुनेंगी। 50 से अधिक कंपनियां इस रोजगार मेले में शामिल होकर सेल्स, कस्टमर सर्विस, आईटी सपोर्ट, बैंकिंग, रिटेल, लॉजिस्टिक्स और सर्विस सेक्टर से जुड़े पदों पर भर्ती करेंगी। रोजगार महाकुंभ में भाग लेने के लिए उम्मीदवारों को पहले से ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा। इसके लिए रोजगार संगम पोर्टल और नेशनल करियर सर्विस पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है। पंजीकरण पूरी तरह निःशुल्क है। अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के समय अपने साथ बायोडाटा की प्रतियां, आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो, शैक्षिक प्रमाणपत्र और रजिस्ट्रेशन स्लिप लानी होगी।